Roll No. ..... Total Pages : 4

CMDE/M-24 **10251**

भीष्म साहनी

Paper–MAH-205(iv)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पाठांशों में से किन्हीं **एक** पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) जुलाहा : कोतवाल तो ऐसा आदमी है कि जिन्दा गाड़ देता है। पहला कोतवाल सीलदार आदमी था, भला मानुस था, बकस देता था। मगर इस कोतवाल का कोई भरोसा नहीं। सुनते हैं इसका दादा तैमूर लंग की फौज के साथ आया था। दिल्ली के खून-खराबे में उसने खूब हाथ रँगे थे। नूरा : मैं क्या कहूँ, इस नालायक की वजह से जान साँसत में आ गयी है। जुलाहा : मुझसे पूछो तो तुम्हें उसके साथ खुद जाना चाहिए।

अथवा

(ख) आठ पहर का रोना कौन सुने। मैं जंगलों की खाक छानता, मिन्नत समाजत करके इसे लौटा लाया तो सात महीने बाद फिर भाग खड़ा हुआ। अब इसे रस्सियों से बाँधकर तो नहीं रखा जा सकता ना! कहीं बाँधे गाँव बसा है? नीमा : हम तो डरते हैं, उससे कुछ नहीं कहते, कि कहीं फिर न भाग जाए। हमारे तो धुकधुकी लगी रहती है कि कहीं कोई बात मुँह से न निकल जाए कि फिर भाग खड़ा। (8)

2. निम्नलिखित पाठांश के माध्यम से प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

बरामदे में पहुँचते ही शामनाथ सहसा ठिठक गए। जो दृश्य उन्होंने देखा, उससे उनकी टाँगें लड़खड़ा गई, और क्षण-भर में सारा नशा हिरन होने लगा। बरामदे में ऐन कोठरी के बाहर माँ अपनी कुर्सी पर ज्यों-की-त्यों बैठी थीं। मगर दोनों पाँव कुर्सी की सीट पर रखे हुए, और सिर दाएँ से बाएँ और बाएँ से दाएँ झूल रहा था और मुँह में से लगातार गहरे ख़र्राटों की आवाज़ें आ रही थीं। जब सिर कुछ देर के लिए टेढ़ा होकर एक तरफ को थम जाता, तो ख़र्राटें और भी गहरे हो उठते। और फिर जब झटके-से नींद टूटती, तो सिर फिर दाएँ से बाएँ झूलने लगता। पल्ला सिर पर से खिसक आया था, और माँ के झरे हुए बाल, आधे गंजे सिर पर अस्त-व्यस्त बिखर रहे थे।

देखते ही शामनाथ क्रुद्ध हो उठे। जी चाहा कि माँ को धक्का दे कर उठा दें, और उन्हें कोठरी में धकेल दें, मगर ऐसा करना संभव न था, चीफ़ और बाक़ी मेहमान पास खड़े थे।

माँ को देखते ही देसी अफ़सरों की कुछ स्त्रियाँ हँस दीं कि इतने में चीफ ने धीरे से कहा– पुअर डियर!

माँ हड़बड़ा के उठ बैठीं। सामने खड़े इतने लोगों को देखकर ऐसी घबराई कि कुछ कहते न बना। झट से पल्ला सिर पर रखती हुई खड़ी हो गईं और ज़मीन को देखने लगीं। उनके पाँव लड़खड़ाने लगे और हाथों की उँगलियाँ थर-थर काँपने लगीं।

(क) उपर्युक्त पाठांश का संबंध किस रचना से है?

(ख) शामनाथ क्यों सहसा ठिठक जाता है?

(ग) पुअर डियर शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया?

(घ) उपर्युक्त पाठांश के अनुसार, माँ क्यों घबरा जाती है?

(2×4=8)

3. निम्नलिखित **तीन** आलोचनात्मक प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

(क) भीष्म साहनी का जीवन और साहित्य पर विस्तृत लेख लिखिए।

(ख) भीष्म साहनी के साहित्यिक-अवदानों का उल्लेख करें।

(ग) भीष्म साहनी के साहित्य के माध्यम से मध्यमवर्ग वर्णन कीजिए।

(घ) स्त्री-मुक्ति के संदर्भ में भीष्म साहनी के साहित्य की समीक्षा कीजिए।

(ङ) उपन्यासकार के रूप में भीष्म साहनी के नाटक साहित्य का मूल्यांकन करें।

(च) भीष्म साहनी की कहानियों में प्रस्तुत सामाजिक-राजनैतिक विचारों का उल्लेख करें। (12×3=36)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर 200 शब्दों में दीजिए :

(क) भीष्म साहनी का साहित्य और राजनैतिक विचार।

(ख) भीष्म साहनी का साहित्य और कलाकार की स्वतन्त्रता।

(ग) नाटककार के रूप में भीष्म साहनी का उल्लेख करें।

(घ) भीष्म साहनी का साहित्य और कलाकार की स्वतन्त्रता।

(ङ) भीष्म साहनी का सांस्कृतिक परिवेश।

(च) भीष्म साहनी का साहित्यिक अवदान।

(छ) भीष्म साहनी के औपन्यासिक-चेतना। (5×4=20)

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

(क) 'अमृतसर आ गया' कहानी के पात्रों के नाम लिखें।

(ख) भीष्म साहनी का जन्म कब हुआ था।

(ग) भीष्म साहनी के बड़े भाई का नाम क्या था?

(घ) भीष्म साहनी के **दो** नाटकों का नाम बताएं।

(ङ) 'कबीरा खड़ा बाजार में' नाटक के **दो** पात्रों का नाम लिखे।

(च) भीष्म साहनी द्वारा वृद्धों की समस्या पर रचित कहानी का नाम लिखें।

(छ) भीष्म साहनी के **दो** उपन्यासों का नाम बताएं।

(ज) 'चीफ की दावत' कहानी के पात्रों के नाम लिखें।

(1×8=8)